

समदन¹ वि. (तत्.) जो अत्यधिक प्रबल कामवासना से युक्त हो, कामी, कामातुर **क्रि.वि.** सहर्ष, प्रसन्नतापूर्वक।

समदन² स्त्री. (देश.) भेंट, उपहार, नजर।

समदना स.क्रि. (तद्.) 1. सस्नेह मिलना, भेंट करना 2. खुशी करना 3. (कोई वस्तु) सौंपना, देना।

समदर्शन पुं. (तत्.) समान दृष्टि, समान भाव, सबको एक समान देखना/समझना।

समदर्शी वि. (तत्.) 1. सब को समान भाव से देखने वाला 2. राग-द्वेष रहित।

समदाना पुं. (देश.) 1. समदना 2. विवाह के पश्चात् कन्या को विदा करना या कराना 3. किसी चीज को दुरुस्त करना।

समदावन पुं. (देश.) विवाह के पश्चात् कन्या की विदाई के समय गाए जाने वाले गीत जो विशेष रूप से मिथिला क्षेत्र में प्रसिद्ध है।

समदृष्टि स्त्री. (तत्.) 1. सब की समान दृष्टि, नजर 2. समभाव से देखने की प्रवृत्ति 3. भेदभाव रहित व्यवहार 4. समदर्शी।

समद-कंप पुं. (तत्.+तद्) भूगो. समुद्र के किसी भाग में उत्पन्न होने वाला कंपन जो आस-पास के स्थलों में भू-कंप होने अथवा भूगर्भ में प्राकृतिक विस्फोट होने के कारण उत्पन्न होता है।

समद्र्धक पुं. (तत्.) वरदान देने वाला, देवता आदि।

समद्वादशास्त्र पुं. (तत्.) बारह बराबर भुजाओं से युक्त क्षेत्र।

समद्वाह पुं. (तत्.) 1. विवाह 2. ऊपर उठाना 3. ढुलाई, वहन।

समद्विबाहु पुं. (तत्.) वह त्रिभुज जिसमें कोई दो भुजाएं एक समान होती हैं।

समद्विभाजन पुं. (तत्.) किसी चीज या पदार्थ को दो समान भागों में विभक्त करना या बाँटना।

समद्विभुज पुं. (तत्.) वह चतुर्भुज जिसकी प्रत्येक भुजा अपने सामने वाली भुजा के समान हो।

समधाना पुं. (देश.) समदाना।

समधिक वि. (तत्.) 1. अपेक्षा से अधिक 2. बहुत ज्यादा।

समधिकृत वि. (तत्.) 1. जो अच्छी तरह से अधिकृत किया गया हो 2. कब्जा किया हुआ 3. सुदृढ़।

समधिन स्त्री. (तद्.) 1. समधी की पत्नी 2. पुत्र या पुत्री की सास जो उनके माता-पिता के लिए है। संबंधी के रूप में व्यवहृत होता है।

समधियाना पुं. (देश.) समधी-समधिन का मूल निवास स्थान जैसे- जनकपुरी राजा दशरथ का तथा अयोध्या जनक का समधियाना था।

समधिहर पुं. (देश.) 1. किसी काम या बात का बार-बार होने का भाव 2. पुनरावृत्ति, दुहराव 3. अधिकता।

समधी पुं. (तद्.) संबंध की दृष्टि से पुत्री या पुत्र का ससुर जो परस्पर दोनों के माता-पिता के लिए व्यवहृत होता है।

समधीत वि. (तत्.) जिसने बहुत अच्छी तरह अध्ययन किया हो।

समधीन वि. (तत्.) 1. वह (व्यक्ति) जिसने विधिपूर्वक अध्ययन पूरा किया हो 2. जिस विषय का भलीभाँति पूर्ण रूप से अध्ययन किया गया हो।

समधीस पुं. (देश.) विवाह की एक रस्म जिसमें दोनों समधियों का विशेष मिलन होता है, मिलनी।

समध्वनि पुं. (तत्.) (भाषा विज्ञा.) ऐसे शब्द जो ध्वनि या उच्चारण की दृष्टि से तो एक समान हों किंतु उनके अर्थों में भिन्नता हो जैसे- मेल (मिलाप) और मेल (डाक) समध्वनिक है **वि.** जो भिन्नार्थक होने पर भी उच्चारण की दृष्टि से समान हों।